

०तुष्ट०) वनिता (D ०चकिता०) संतुष्टप्रजा सस्योद्भासितगोकुलाकुलतरा क्षोणी
तदा लक्ष्यते॥.—1. C, E श्टा०.—C, B, D कलाप for अभिघात, S अभिवात.
—All but C, D यदाकाशते.—C, E पटला, D पटलां, A, B पटलः.—A
संवर्द्धितो, E संवर्द्धिता, B, D, N संपत्तिदां.—C, E सर्वा सहो शेभते for विद्यात
इ. आ. of the others.—2. A यदाग्रेय्यां, C यदा वाक्त्रौ.—C, B, D वायुर्वहति
गगने ऽखंडिततनुः.—E मलटविष्कलिततनुः.—D भवति for स्रवति.—A तदा
नित्योच्छ्रासैर्.—D निकरान्.—3. E लतावतान.—All but C सुरभिः for
तरुभिः.—E, S ध्वनंश्च, C, N ध्वनिः सुपरुषो, A ध्वनिश्च परुषो.—C, A, S, E
तद्वयोगसमुत्थितास्तु, D like B, N (our text), but ०तो ऽपि.—A मंदधारिक-
ठिना.—4. C, E, S दृष्णादृत.—5. In A this is numbered 3, a. s. o.—C,
B, D, E, N प्रविचलसटा.—C, A, B, S पश्चाच्चेद् D पश्चाद्ये.—D, N प्रचुर for
प्रवर.—C, A, S निकर for नवर.—C क्षितिः for धरा.—N अविरल.—6.
All but C दिवसपते for किरणपते.—B, D, N अस्तकाले प्रपन्ने.—B, D
तौत्रवेगः, A, S दृढयोगः.—C पवन for स्रवति.—C, D, N घनवपुः.—C पद्मगार्द्धा-
नुकारौ, noticing also our r. (that of B, E), A, S पद्मगार्द्धावलीढः, D
पद्मगार्द्धावलीढः.—S धारां समुदित०; B, D, N समुदय for प्रमुदित.—C
मत्तमंडूककंठां, B मत्तमंडूकनाद, D, N मुत्तमंडूकनादां.—B सस्योद्भावेक०, A, S
सस्योद्भावरैक०.—7. B, D स्निग्धा० for वात्या०.—C, A, S, N आमोद०.—B,
D, N कलनोन्मत्ता०, C कलनान्मत्ता०, S कलभासत्ता, A कलभासन्ना, E कलिना-
सत्ता.—S, N किरणा.—8. om. in C, B.—A, S ईशानो.—E (अ)निलः for
भवेत्.—D अगुरुगंधि वाति सुर०, E पद्मगंधि सुर०, N दृष्णगंध सुर०.—E वाति
for वायुः.—E पूरिता for यौवना.—B, D, N यौवनां, and the two following
words in the Accusative.—E om. संपन्न, and r. सस्याकुला लक्ष्यते.—The
number of this Ch. in C, B, D, E, S is 27, in A 26, no number in N.

CHAPTER XXVIII.

In B, D, N follows रजोलक्षणं, which follows after XXXVII in our
text. After the रजोलक्षणं B, D, N have this Ch. (सद्योदृष्टिलक्षणं).—1.
All but D वर्षप्र०.—A सलिलनिचयं.—A सौम्यदृ०.—2. A दृष्टो for प्रष्टा.—
3. A, S, N (अ)थ दीप्ता.—D, E चोच्चैः.—4. N, S प्रोत्सूयंते.—A स्थलजलगा-
मिनो.—5. D निचयाः.—C, N विश्व.—D, E गंधाः.—B, D, E शिशुरचिताश्च.
—A पारयाः (intended for परिघाः) शीतकरस्य for परिवेषाः etc.—C, B,
D, E, N (अं)जनचूर्णसं०.—8. C स्थितिदृष्टि.—9. N अवणं.—B, E, S कुकुरा,
C one time कुकुरा, another कुर्कुरा.—10. S कुकुरा, N कुकुरा.—C, D, N
रुवंति, S, E रुदंति, for भवंति, B om.—C, N वियन्मुखाः.—C, E समैव, which
gives no sense, समैव would be unobjectionable.—11. C, E तदापि चिरान्न
च, B, D तदा त्वरितं सद्यत्.—12. S तदा समागमः, A तदा समागमो भवेत्, B